सुप्रीम कोर्ट में लगेगा महिला वकील हिंगोरानी का पोर्ट्रेट

Written by मेरी बिटिया संवाददाता
Thursday, 30 November 2017 21:09

: भारत की शीर्ष अदालत के 67 साल के इतिहास में पहली बार पुस्तकालय में एक महिला वकील का एक चित्र सजेगा : पुष्पा कपिला हिंगोरानी को जनहित याचिकाओं की मां के तौर पर सम्मान दिया जाता है : न्याय का एक सशक्त और ईमानदारी की अग्रदूत मानी जाती रही हैं कपिल हिंगोरानी :

मेरी बिटिया संवाददाता

नई दिल्ली : मुल्क की सबसे बड़ी अदालत की लाइब्रेरी में अब एक ऐसी शख्सियत का नाम चित्रयुक्त नाम जुड़ने वाला है, जिसे वास्तविक अर्थों में न्याय की अग्रदूत और जनहित याचिकाओं की जननी मानी जाती रही है। तय हुआ है कि न्यायिक दिग्गज एम सी सैतलवाड़, सीके डाफ़्ट्री और आरके जैन की छवियों के साथ-साथ विख्यात बैरिस्टर कपिला हिंगोरानी की तस्वीर शुमार की जाए। इस महान महिला वकील का नाम है स्वर्गीय पुष्पा कपिला हिंगोरानी। न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने मंगलवार को अपने चित्र को रिहा करने के बाद कहा, "यह लंबे समय से लंबित था"। उन्होंने बताया कि हिंगोरानी के लिए सम्मान बहुत पहले आ जाना चाहिए था क्योंकि वह अजीब के लिए न्याय का एक सच अग्रदूत था।

न्यायपालिका की खबरों को पढ़ने के लिए कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिएगा :-

जस्टिस और न्यायपालिका

ब्रिटेन में कार्डिफ लॉ स्कूल से स्नातक होने वाली पहली भारतीय महिला कपिल हिंगोरानी, ने 1979 में शीर्ष अदालत में सार्वजनिक हित याचिका (पीआईएल) दर्ज करने वाली पहली वकील थीं। उनकी याचिका उन कैदियों के लिए थी जो कई वर्षों तक मुकदमे का इंतजार कर रहे थे । कभी-कभी जेल में अधिक से अधिक समय के लिए उन्हें सजा देने के लिए अधिक सजा भुगतनी पड़ती थी।

कपिल हिंगोरानी को जनहित याचिकाओं की मां कहा जाता है। उनकी पहली जनहित याचिका ने तेज परीक्षणों के लिए दिशा-निर्देश तय करने के लिए शीर्ष अदालत का नेतृत्व किया।

बिहार सरकार के हजारों कर्मचारियों को 4 माह से लेकर 94 महीने तक वेतन देने से वंचित करने के लिए हिंगोरानी ने दूसरी महत्वपूर्ण जनहित याचिका दायर की थी। एक बैरिस्टर, हिंगोरानी कार्डिफ में कानून का अध्ययन करने वाली पहली भारतीय महिला थीं। हालांकि उनका परिवार नैरोबी और लंदन में बस गया, उसने भारत में रहने के लिए चुना क्योंकि वह महात्मा गांधी से प्रेरित थीं। उसकी जनहित याचिका ने उच्च न्यायालयों को शीघ्र परीक्षणों के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने के लिए नेतृत्व किया और लगभग 40,000 कैदियों को जारी किया गया था।

1 / 2

सुप्रीम कोर्ट में लगेगा महिला वकील हिंगोरानी का पोर्ट्रेट

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Thursday, 30 November 2017 21:09

अधिवक्ता -जगत से जुड़ी खबरों को देखने के लिए कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

लर्नेड वकील साहब

नैरोबी में 1927 में जन्मे, हिंगोरानी महात्मा गांधी से प्रेरित थीं। सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ तीन महिला वकीलों थे जब उन्होंने वहां अभ्यास शुरू किया था। वह 86 साल की थी, जब वह 60 साल के एक उल्लेखनीय कैरियर के विस्तार के बाद 2013 में मृत्यु हो गई थी। हिंगोरानी और उनके तीन बच्चों - वकील अमन, प्रिया और श्वेता - शीर्ष अदालत में 100 से ज्यादा मामले लड़े।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रुपिंदर सूरी ने कहा कि यह चित्र बार के सदस्य के रूप में हिंगोरानी की उपलब्धियों की सही पहचान है। "वह सिर्फ एक वकील नहीं बल्कि एक बैरिस्टर भी थी वह ब्रिटेन में रह सकती थी, लेकिन भारत को चुना," उन्होंने कहा।

2 / 2